स्व-चिंतन से श्रेष्ठ समाज का निर्माण संभव

रीवा क्षेत्र में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय का रजत जयंती समारोह

रीवा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के रजत जयंती में मुख्य अतिथि शिवेंद्र सिंह महापौर ने कहा कि समाज में जब मूल्यों में अत्यंत गिरावट आ चुकी है ऐसे समय में एक आशा की किरण के रूप में यह ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान प्रकट हुआ है। यहां का ज्ञान, सेवा और सारा जीवन संसार के सभी मनुष्यों के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण विश्व में नैतिक और चारित्रिक मूल्यों की स्थापना में इस संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्य वक्ता राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शारदा ने कहा कि हमारा दृष्टिकोण सकारात्मक हो जाए। हम खुद को पहचान जाएं, अपने स्वधर्म में स्थित हो जाएं और परदर्शन को छोड स्व-चिंतन करें तो निश्चित ही स्वस्थ व श्रेष्ठ समाज का निर्माण संभव है। सतोगुणी अवस्था तथा ज्ञान, प्रेम, सुख, शांति, आनंद, आत्मसात करने से ही एक अच्छे, सुखद समाज की रचना हो सकेगी। पत्रकार एवं विचारक मधुकर द्विवेदी, भोपाल ने कहा कि सम्पूर्ण संसार में वर्तमान काल में हो रही हलचल को समाप्त करने के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान के राजयोगी तपस्वियों का बहुत बड़ा योगदान है। ऐसे में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का सहज राजयोग हर मानव के लिए अत्यंत सहज, सरल व श्रेष्ठतम उपाय है। माउण्ट आबु, राजस्थान से पधारे अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक पत्रिका ओमशान्ति मीडिया के मुख्य संपादक राजयोगी ब्रह्माकुमार गंगाधर ने कहा कि ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शिक्षाएं और धारणाएं सभी मानव समाज के लिए एक स्पष्ट आईना है। समाज में सच्चा सुधार राजयोग के अभ्यास से ही संभव होगा। इसकी सत्य अनुभूति यहां पर स्वयं परमात्मा शिव करा रहे हैं। प्रदेश के पूर्व महानिदेशक एवं विधायक शिव मोहन सिंह नें कहा कि देश में जब-जब विपदा आई तो ऐसे महापुरुषों का जन्म हुआ, जिन्होंने समाज में विपत्तियों को समाप्त किया। साधना और तपस्या में रत राजयोगिनी बहनों के तप के बल से एक अच्छे समाज का निर्माण अवश्य होगा। समाज सेवी डॉ. मुजीब ख़ान ने अपने वक्तव्य में कहा कि चाहे कोई कितना भी भजन करे लेकिन जबतक अच्छे कर्म नहीं करेगा तब तक अशांति और तनाव से मुक्ति नहीं मिल सकती है। राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला ने कहा कि यह सब परमात्मा द्वारा परिवर्तन कार्य चल रहा है, हम तो केवल निमित मात्र कर रहे हैं। यह सम्मान उन्होंने परमात्मा शिव को अर्पित किया। ईश्वरीय कार्य के सेवाक्षेत्र में रजत जयंती के अवसर पर नगर के गणमान्य व्यक्तियों ने स्थानीय संचालिका ब्र.कु. निर्मला को शॉल पहनाकर सम्मानित किया तथा माउण्ट आबु से आए ब्र.कु. भानु ने आध्यात्मिक गीतों से सबके मन को भाव विभोर कर दिया। इसके अतिरिक्त नन्ही बालिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सबको मोहित किया। मंच का कुशल संचालन ब्र.कु प्रकाश ने किया।

रीवा। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ करते हुए ब्र.कु. गंगाधर, समाज सेवी डॉ. मुजीब ख़ान ,मुख्य अतिथि शिवेंद्र सिंह महापौर, ब्र.कु. शारदा, ब्र.कु. निर्मला, ब्र.कु. भानु, पूर्व महानिदेशक एवं विधायक शिव मोहन सिंह,ब्र.कु.ममता, ब्र.कु.भगवती, पत्रकार एवं विचारक मधुकर द्विवेदी तथा अन्य।

- स्थानीय सेवाकेन्द्र की ब्र.कु. निर्मला का शहर के गणमान्य नागरिकों ने शॉल ओढ़ाकर किया सम्मान।
- नन्हें बच्चों ने किया रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम ।

अहमदाबाद साबरमती सेन्ट्रल जेल में अन्नामलाई युनिवर्सिटी और ब्रह्माकुमारीज़ शिक्षा प्रभाग द्वारा तृतीय पदवीदान समारोह आयोजन

अहमदाबाद। साबरमती सेन्ट्रल जेल - अहमदाबाद की ऐतिहासिक साबरमती सेन्ट्रल जेल में ब्रह्माकुमारी संस्था और अन्नामलाई यूनिवर्सिटी द्वारा 'मूल्य शिक्षा और आध्यात्मिकता' के विविध कोर्स में पोस्ट ग्रैज्युएशन डिप्लोमा एवं डिप्लोमा के लिए तृतीय पदवीदान समारोह आयोजित किया गया। इस कोर्स की परीक्षा में गुजरात राज्य के 11 जेलों में से 51 बंदीवान भाई-बहनें - 19 पी. जी. डिप्लोमा, 32 डिप्लोमा - उत्तीर्ण हुए।

आई.एम.देसाई, डी.आई.जी. गुजरात जेल विभाग, ने कार्यक्रम का संबोधन किया।

अन्नामलाई यूनिवर्सिटी के डी.डी.ई. विभाग के डायरेक्टर डॉ. नागेश्वर राव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए ब्रह्माकुमारी संस्थान के इस आध्यात्मिक कोर्स की प्रशंसा की तथा सभा में उपस्थित 200 से अधिक अतिरिक्त कैदी भाई-बहनों से इन मूल्यों को व्यवहारिक जीवन में अपनाने का अनुरोध किया।

आई. जी. ऑफ प्रिज़न, पी. सी. ठाकुर ने कहा कि इस शिक्षा ने सबमें एक परिवार जैसी भावना पैदा कर दी है। उन्होंने सभी छात्रों को डिग्री सर्टीफिकेट एवं मैडल भी प्रदान किए। दूरस्थ शिक्षा विभाग के डायरेक्टर पांड्यामणि ने कहा कि यह जेल नहीं बल्कि एक छोटा सा गांव बन गया है। इस शिक्षा ने सबको तनाव व दबाव से मुक्त रहने में मदद की है। ब्रह्माकुमारी संस्थान के शिक्षा प्रभाग के वाइस चेयरपर्सन ब्र.कु. मृत्युंजय ने इस पाठ्यक्रम का महत्व समझाते हुए कहा कि यह कोर्स हमें अंतरदर्शन कर, आने वाले समय के साथ चलने के लिए तैयार करता है।

शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. हरीश शुक्ला ने नैतिक मूल्यों को आंगीकार करने के लिए सबसे प्रतिज्ञा कराई। ब्रह्माकुमारीज़ गुजरात ज़ोन की डायरेक्टर राजयोगिनी ब्र.कु.सरला ने सभी पदाधिकारियों एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन भारतवर्ष के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों को इसे परमात्मा शिव द्वारा दिया गया अवसर मानकर व्यक्तिगत और सामाजिक विकास करने में राजयोग का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। सभा में अन्य गणमान्य व्यक्तियों में आर.जे.पारधी, आई.पी.एस अधीक्षक साबरमती जेल भी मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत से हुआ।

अहमदाबाद। दूरस्थ शिक्षा विभाग के डायरेक्टर पांड्यामणि, ब्र.कु.हरीश शुक्ला, ब्र.कु.सरला,अन्नामलाई यूनिवर्सिटी के डॉ. नागेश्वर राव, ब्रह्माकुमारी संस्थान के शिक्षा प्रभाग के वाइस चेयरपर्सन ब्र.कु.मृत्युंजय, ब्र.कु.नंदीनी तथा डिग्री धारक बंदी भाई।

कार्यालय- ओम शन्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 170 रुपये, तीन वर्ष 510 रुपये, आजीवन 4000 रुपये । विदेश - 2000 रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCESSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14TH, 22ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।